तथा ग्रस्त हुये लक्ष्यों के वर्षवार विवरण निम्नानुसार है:—

वर्ष	मूल्य (मिलियन अमरीकी डालर में)	प्राप्त लक्ष्य का प्रतिशत
1992-93	3052.47	112.8
1993-94	3713.65	105.8
1994-95	4433.83	104.0
1995-96	4453.31	92.8
1996-97	4762.10	100.3

(घ) और (ङ) परिधानों के निर्यात को प्रोत्साहन देने के लिये सरकार अनेक कदम उठा रही है जिनमें क्रेता-विक्रेता बैठकों, मेलों और प्रदर्शनियों में भाग लेने के लिये निर्यातकों को प्रोत्साहन देना, निर्यात उत्पादन के लिये निर्यातो शुल्क पर पूंजीगत माल के आयात का अधिकार देना, निर्यात उत्पादन के लिये कच्चे माल के शुल्क मुक्त आयात के विशेष प्रबंध करना आदि शामिल है।

हथकरघा क्षेत्र के लिये सूत

306.**श्री राज मोन्दिर सिंह:**
श्री बलवन्त सिंह रामूवालिया:

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या यह सच है कि कताई मिलों को यह निर्देश दिया गया है कि वे अपने कुल उत्पादित सूत के 50% का उत्पादन देश के हथकरघा वस्त्र उद्योगों के उपयोग के लिये और अपने कुल उत्पादन का कम से कम 50% सूत देश के हथकरघा वस्त्र उद्योग में उपयोग हेतु उत्पादित करें;

(ख) यदि हां, तो क्या यह सच है कि देश की सूत कताई मिलों को इन निर्देश का पालन करने से छूट दी गई है; और

(ग) यदि हां तो उसके क्या कारण है और सरकार द्वारा हथकरघा उद्योगों के उपयोग के लिये सूत की उपलब्धता में कमी न आने देने के लिये क्या कार्यवाही की गई है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशी राम राणा): (क) जी, हां।

हैंक यार्न (धागा) पैकिंग आधसूचना के अनुसार सूती यार्न सहित कुछ विशिष्ट यार्न के प्रत्येक उत्पादक जो कि सिविल उपयोग के लिये यार्न का पैक करता है, मिल के अपने परिसर द्वारा स्वंय उपयोग किये गये तथा निर्यात को छोड़कर, प्रत्येक तिमाही के दौरान सिविल उपयोग केलिये अब तक उसके/उनके द्वारा पैक किया गया हिस्सा कुल यार्न का हैंक के रूप में 50% से कम नहीं होगा और ऐसे पैक किये गये यार्न का कम से कम 80% 40 और उससे कम काउंट का नहीं होना चाहिये।

(ख) जी, नहीं।

(ग) प्रश्न नहीं उठता।

सैन्ट्रल काटेज इन्डस्ट्रीज कारपोरेशन में नियुक्तियों का मापदंड

307.**श्री चुन्नी लाल चौधरी:** क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) सैन्ट्रल काटेज इंडस्ट्रीज कारपोरेशन में विभिन्न श्रेणियों और वर्गों की नियुक्तियां करने का मापदंड क्या है और वर्ष 1996-97, 1997-98 और 1998-99 के दौरान कितने कर्मचारियों को नियुक्त किया गया; और

(ख) क्या अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को आरक्षण का लाभ दिया गया था और श्रेणी/वर्ग वार और वर्ष वार तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशी राम राणा): (क) और (ख) केन्द्रीय कुटीर उद्योग निगम में विभिन्न वर्गों एंव श्रेणियों की नियुक्तियों के लिये प्रत्येक पद के लिये मानदंड भर्ती नियमों के अनुसार है तथा आरक्षण में भारत सरकार के मार्गदर्शी सिद्धान्तों का पालन किया जाता है। वर्ष 1996-97 से 1998-99 के दौरान 54 नियुक्तियां की गई है। निगम में 563 व्यक्तियों की कुल संख्या में से 103 व्यक्ति अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति से संबंधित है। भारत सरकार के मार्गदर्शी सिद्धांतों के अनुसार ही अनसूचित जाति एंव अनुसूचित जनजातियों की रिक्तियों को आरक्षित रखा जाता है और निगम ने आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिये कदम उठाये है।

Allocation of Funds to Textiles Mills, Powerlooms, Handlooms and Khadi Industry

308. **KUMARI NIRMALA DESHPANDE:** Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) the percentage of allocation of funds to (1) Textiles Mills (2)

Powerlooms; (3) Handlooms and (4) Khadi Industry;

(b) whether Khadi industry is getting the lowest; and

(c) if so, the reasons therefor?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) to (c) So far as Handloom and Powerloom Sectors are concerned, R.E. (Plan) allocations for the Annual Plan 1998-98 of the Ministry of Textiles are Rs. 83.35 and Rs. 4.50 crores respectively which comes to 34.60% and 1.86% respectively of the total annual plan allocation of the Ministry of Textiles.

There is no general alloation for mill sector except mill that very nominal amount are allocated under the Plan Head in respect of nationalised textile mills.

According to information furnished by Ministry of Industry, following amounts have been allocated for Khadi during 1998-99 (R.E.):-

	(Rs. in Lakhs)
Khadi Grant	15960
Khadi Loan	2098
S & T (Khadi)	30

वस्त्र उत्पादन में गिरावट

309.श्री चीमनभाई हरीभाई शुक्ला: क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या पिछले कुछ वर्षों से देश में वस्त्र उत्पादन की स्थिति संतोषजनक नहीं है और इसके उत्पादन में निरंतर गिरावट आयी है;

(ख) यदि हां, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या देश में उचित मूल्यों के वस्त्र उत्पादन में निरंतर गिरावट आने के सम्बन्ध में कोई समीक्षा की गयी है;

(घ) क्या सरकार ने वस्त्र उत्पादन में वृद्धि करने के लिए कोई नयी कार्यनीति तैयार की है; और

(ङ) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

वस्त्र मंत्री (श्री काशीराम राणा): (क) से (ग) यार्न (फिलामेंट यार्न सहित) और फैब्रिक का उत्पादन वर्ष 1995-96 में क्रमशः 2485 मिलियन कि०ग्रा० और 31460 मिलियन वर्ग मी० से बढ़कर वर्ष 1997-98 में क्रमशः 2973 मिलियन कि०ग्रा० और 36896 मिलियन वर्ग मी० हो गया। अप्रैल-नवम्बर, 1997 में यार्न और फैब्रिक का उत्पादन क्रमशः 2506 मिलियन कि०ग्रा० और 24715 मिलियन वर्ग मी० थे जो कि अप्रैल-नवम्बर, 1998 के दौरान मामूली घटकर क्रमशः 2420 मिलियन कि०ग्रा० और 23806 मिलियन वर्ग मी० हो गए।

(घ) और (ङ) सरकार ने मौजूदा वस्त्र नीति की पुनरीक्षा और मूल्यांकन करने तथा उत्पादन में मात्रा तथा गुणवत्ता संबंधी सुधार लाने के उद्देश्य से आवश्यक संशोधन का सुझाव देने के लिए श्री एस०आर० सत्यम की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति स्थापित की है।

Setting of Technology Upgradation Fund for Textile Industry

310. SHRI SANTOSH BAGRODIA: SHRI SURESH KALMADI: Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) whether Government have decided to set up a large technology upgradation fund of Rs. 25,000/- crores from April 1, 1999 to modernise weaving and processing sectors of the textiles industry, jute industry in general and other cotton related industries;

(b) if so, the details thereof;

(c) if so, what would be the *modus operandi* of the working of the fund;

(d) how Government propose to raise such large resources; and

(e) how Government would introduce such funds for the necessary modernisation, giving details of units for which it would be available?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI KASHIRAM RANA): (a) to (e) Government have decided to launch a Technology Upgradation Fund Scheme (TUFS) for textile and jute industries for